# अब आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस कॉलेजों में भी स्टार्टअप, इनोवेशन बढ़ाने पर जोर

## ईडीआईआई के जरिए प्राचार्यों को सिखाए जा रहे हैं गुर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

**अहमदाबाद.** गुजरात में युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने में सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार ने स्टार्टअप एवं इनोवेशन को अब आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस कॉलेजों तक पहुंचाने की पहल की है। इसके तहत इन कॉलेजों के प्राचार्यों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के जरिए गुजरात सरकार राज्य के सभी आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स कॉलेजों के प्राचार्यों को स्टार्टअप, इनोवेशन को बढ़ावा देने के गुर सिखा रही है।

प्राचार्यों को जब स्टार्टअप, इनोवेशन एवं राज्य सरकार की स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (एसएसआईपी) की जानकारी होगी तभी वे विद्यार्थियों को नई सोच और योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकेंगे।

ईडीआईआई के प्राध्यापक डॉ.सत्या रंजन आचार्य ने बताया कि स्टार्टअप एवं इनोवेशन के क्षेत्र में आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस कॉलेज के प्राचार्य के मददगार होने के बारे में जागरुक और प्रशिक्षित किया जा रहा है। नई सोच और योजना के साथ विद्यार्थी के स्टार्टअप, इनोवेशन को सरकार की मदद दिलाने की प्रक्रिया व अन्य जानकारी दी जा रही है। पेटेन्ट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क से लेकर इन्क्यूबेशन सेंटर और इनोवेशन तथा स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं से भी उन्हें परिचित कराया जाएगा।

एसएसआईपी को क्रियान्वयन करने वाली संस्था गुजरात नॉलेज सोसायटी (जीकेएस) के संयुक्त कार्यकारी अधिकारी डॉ. डी.डी.मांडलिया ने बताया कि अभी तक के स्टार्टअप या इनोवेशन में ज्यादातर विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा पृष्ठभूमि वाले हैं। अब आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस कॉलेज के विद्यार्थियों की इसमें हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एवं उन्हें भी इस योजना से लाभान्वित करने के लिए यह पहल की जा रही है। सरकारी और अनुदानित कॉलेजों के 450 प्राचार्यों को एक दिन के प्रशिक्षण में यह जानकारी गत माह दी गई थी, हालांकि प्राचार्यों को पहली बार पांच दिनों का विशेष प्रशिक्षण ईडीआईआई में दिया जा रहा है। इसमें ज्यादातर नए नियुक्त प्राचार्य भी हैं। 45 प्राचार्य इसमें शिरकत कर रहे हैं।

### प्राचार्य बोले अच्छी पहल

इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को कुछ नया करने के लिए प्रेरित करने और उसके विचारों को उत्पाद का रूप देकर उसे बाजार में लाने की प्रक्रिया सीखने को मिली। यदि यह जानकारी प्राचार्यों को होगी तभी वे इसे प्रोफेसरों और उनके जरिए विद्यार्थियों तक पहुंचा सकेंगे। आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस के विद्यार्थियों को भी स्टार्टअप, इनोवेशन के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

**-प्रो.सागर दवे, प्राचार्य, सरकारी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, मेघरज**

हर संकाय का अपना महत्व है। कॉमर्स किसी भी स्टार्टअप के व्यापार को बढ़ावा दे सकता है। साइंस उसमें वेल्यु एडीशन कर सकता है, जबकि आर्ट्स समाज की मूल समस्याओं को पहचानता है। जब इन तीनों ही संकायों का साथ लेकर इनोवेशन, स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा तो इसे और गति मिलेगी। यह अच्छी पहल है।

**प्रो. योगेश यादव,** के.का. शास्त्री कॉमर्स कॉलेज, खोखरा, अहमदाबाद